SCAT NEWS
स्कैट समाचार

*The Latest Update on Whats Happening
Around Us In The World Of Satellite & Cable TV*

*सैटेलाइट और केवल टीवी की दुनिया में
हमारे चारों तरफ क्या हो रहा उसका नवीनतम अपडेट*

NBF CLASH WITH BARC

The News Broadcasters Federation has asked the Competition Commission to probe the practices of BARC and how it is impacting the news channels. In the absence of ratings, news channels revenues have been impacted.

The Competition Commission of India is a statutory government body responsible for enforcing The Competition Act and preventing activities that have an appreciable adverse effect on competition.

The NBF letter highlights the importance of ratings and talks about how it is relevant for the broadcasting ecosystem.

"India has about 900 satellite channels of which news is the single largest genre within the satellite broadcasting sector. Almost all channels, including news channels, depend on advertising revenue which is based on Gross Rating Points (GRPs) for the channels as well as television rating points for the individual programme. GRPs and TRPs are audience measurement metrics collected, collated and released by BARC," the letter reads.

Emphasizing on the relevance of ratings the letter says, "BARC is the sole audience measurement company in India, while their GRPs are a single trade currency widely accepted by advertisers, advertising agencies, and broadcasters."

BARC unilaterally decided to single out news genre by unreasonably pausing ratings only of news genre for 8-12 weeks albeit initially pointing out how there were manipulations in ratings by at least three channels--two entertainment channels and one news channel.

NBF is a trade body of television news channels. Its members include the likes of Dighvijay, DY365 News, First India Rajasthan, Gulistan News, IBC24, India News, JK 24X7, Living India News, News Live, News Nation, NewsX, North East Live, Odisha TV, Prag News, MH One News, PuthiyaThalaimurai TV, Newsfirst Kannada, Republic Bharat, Republic TV, S Newz, TV5, and Twenty Four News.

NBF
NEWS BROADCASTERS FEDERATION

B A R C
BROADCAST AUDIENCE RESEARCH COUNCIL INDIA

एनबीएफ के साथ बीएआरसी का संघर्ष

न्यूज ब्रॉडकास्टर्स फेडरेशन ने प्रतिस्पर्धा आयोग से बीएआरसी की प्रथाओं की जांच करने और समचार चैनलों पर इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है, इसकी जांच करने को कहा है। रेटिंग के अभाव में समाचार चैनलों का राजस्व प्रभावित हुआ है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग एक वैधानिक सरकारी निकाय है जो प्रतिस्पर्धा अधिनियम लागू करने और प्रतिस्पर्धा पर सराहनीय प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को रोकने के लिए जिम्मेवार है।

एनबीरफ का पत्र रेटिंग के महत्व पर प्रकाश डालता है और इस बारे में बात करता है कि यह प्रसारण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कैसे प्रासंगिक है।

भारत में लगभग 900 सैटेलाइट चैनल हैं जिनमें से समाचार, प्रसारण क्षेत्र के भीतर सबसे बड़ी शैली है। समाचार चैनलों सहित लगभग सभी चैनल विज्ञापन राजस्व पर निर्भर करते हैं जो चैनलों के लिए सकल रेटिंग अंक (जीआरपी) के साथ साथ व्यक्तिगत कार्यक्रमों के लिए टेलीविजन रेटिंग अंक पर आधारित है। जीआरपी व टीआरपी दर्शकों के माप के मैट्रिक्स हैं जिन्हें बीएआरसी द्वारा एकत्र किया गया है और जारी किया जाता है।'

पत्र में रेटिंग की प्रासंगिता पर जोर देते हुए कहा गया है कि 'बीएआरसी भारत में एकमात्र दर्शक मापन कंपनी है जवकि उनके जीआरपी विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों और प्रसारकों द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार की गयी एकल व्यापार मुद्रा है।

बीएआरसी ने एकतरफा तरीके से समाचार शैली को हटाने का फैसला किया है और केवल 8-12 सप्ताह के लिए समाचार शैली की रेटिंग को रोक दिया है, यद्यपि आरंभ में इशारा किया गया था कि कैसे कम से कम तीन चैनलों द्वारा रेटिंग में हेरफेर किया गया था-दो मनोरंजन चैनल और एक समाचार चैनल।

एनबीएफ टेलीविजन समाचार चैनलों की व्यापार निकाय है। इसके सदस्यों में दिग्विजय, डीवाई365 न्यूज, फर्स्ट इंडिया राजस्थान, गुलिस्तान न्यूज, आईबीसी24, इंडिया न्यूज, जेके 24X7, लिविंग इंडिया न्यूज, न्यूज लाइव, न्यूज नेशन, न्यूजएक्स, नार्थईस्ट लाइव, ओडिशा टीवी, प्राग न्यूज, एमएच वन न्यूज, पुथिया थैलमुरई टीवी, न्यूज फर्स्ट कन्नड, रिपब्लिक भारत, रिपब्लिक टीवी, एस न्यूज, टीवी 5 और ट्वेंटी फोर न्यूज शामिल है।

GOVT TO AMEND UPLINK RULES

Govt is making an amendment in policy guidelines for uplinking and downlinking TV channels.

As per the new proposal, uplinking can be done in the frequency band specified by the applicant. Uplinking in a band other than C band has to be in encrypted mode.

Several complaints were made to the ministry that close to 10 channels have been enjoying free ride on DD Free Dish on account of technical slip-ups caused by MIB by allowing certain platforms to carry on dual transmission on C band as well as KU band. DD Free Dish is available on KU Band on GSAT-15. Channels available on DD Free Dish are free, thereby offering the channels a huge viewership and reach. Apparently a handful of channels bypassed paying the fees that applies to channels present on the platform. This new guideline is expected to not just ensure prevention of revenue loss for the pubcaster but also create a level playing ground for all private TV channels.

Other important changes in the proposed policy to introduce ease of doing business include how an LLP (limited liability partnership) can now obtain permissions to apply for setting up teleports, uplinking/downlinking of TV channels setting up news agency, purchases/hiring of DSNG/SNG equipment.

The new guideline also proposes that no processing fee shall be charged for live events and for change of language/mode of transmission.

The guidelines, as per sources, also allow foreign channels to uplink from Indian teleports on payment of annual permission fees.

RAJYA SABHA & LOK SABHA TV

Rajya Sabha TV and Lok Sabha TV have now been merged into Sansad TV.

Ravi Capoor IAS has been elected as the CEO of the newly-formed Sansad TV on contract for a period of one year with immediate effect.

अपलिंक नियमों को संशोधित करेगी सरकार

सरकार टीवी चैनलों की अपलिंक व डाउनलिंक करने के लिए नीति दिशा निर्देशों में संशोधन कर रही है।

नये प्रस्ताव के अनुसार आवेदक द्वारा निर्दिष्ट फ्रीक्वेंसी बैंड में अपलिंकिंग किया जा सकता है। सी बैंड के अलावा अन्य बैंड में अपलिंकिंग को एन्क्रिप्टेड मोड में होना चाहिए।

मंत्रालय को कई शिकायतें की गयी थीं कि 10 के करीब चैनल डीडी फ्रीडिश पर मुफ्त उपस्थिति का आनंद उठा रहे हैं, एमआईबी के कारण तकनीकी स्लिपअप के कारण कुछ प्लेटफॉर्मों को सी बैंड के साथ-साथ केयू बैंड पर दोहरी ट्रांसमीशन की अनुमति देताा है। डीडी फ्रीडिश जीसैट 15 पर केयू बैंड पर उपलब्ध है। डीडी फ्रीडिश पर उपलब्ध चैनल स्वतंत्र है जिससे चैनलों को बड़ी दर्शक संख्या और पहुंच मिलती है। जहिर तौर पर मुट्ठी भर चैनलों ने प्लटफार्म पर मौजूद चैनलों पर लागू होने वाली फीस का भुगतान कर रहे हैं। इस नयी गाइडलाइन से यह उम्मीद की जा रही है कि वह न केवल पबकास्टर के लिए राजस्व के नुकसान की रोकथाम सुनिश्चित करे बल्कि सभी निजी टीवी चैनलों के लिए एकसमान अवसर भी बनाये।

व्यवसाय करने में आसानी का परिचय देने के लिए प्रस्तावित नीति में अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तनों में शामिल है कि कैसे एलएलपी (सीमित देयता साझेदारी) अब टीवी चैनलों की स्थापना, अपलिकिंग/डाउनलिंकिंग के लिए आवेदन प्राप्त करने की अनुमति प्राप्त कर सकती है, समाचार एजेंसी की स्थापना, डीएसएनजी खरीद/भर्ती एसएनजी उपकरण।

नयी दिशा-निर्देश यह भी प्रस्तावित करती है कि लाइव आयोजनों और भाषा/मोड के प्रसारण के लिए कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जायेगा। सूत्रों के अनुसार दिशा-निर्देश भी विदेशी चैनलों को वार्षिक अनुमति शुल्क के भुगतान पर भारतीय दूरसंचार से अपलिंक करने की अनुमति देता है।

राज्य सभा व लोकसभा टीवी

राज्य सभा और लोकसभा टीवी को अब संसद टीवी में मिला दिया गया है।

आईएएस रवि कपूर को तत्काल प्रभाव से एक वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध पर नवगठित संसद टीवी के सीईओ के रूप में चुना गया है।

NIKHIL DUBEY LEAVES ZEE NEWS

Nikhil Dubey has stepped down as Executive Editor Zee News. Dubey had joined Zee News recently.

Prior to this, Dubey has served stints at News Nation and India News in the past, his longest stint has been with ABP where he was working as Executive Editor.

VIACOM18 ANNOUNCES CHANGES

Viacom18 has announced changes in its leadership team to focus on scaling and bolstering its digital and broadcast businesses. Driving the agenda of growing its digital subscription businesses, Ferzad Palia will head all SVOD services (Voot Select and Voot Kids) and International expansion for Voot and will report to Gourav Rakshit, COO, Viacom18 Digital Ventures.

The network's Youth, Music and English Entertainment business, will now be led by Anshul Ailawadi, erstwhile strategy and project management lead at the Group CEO's office. Ailawadi will be reporting to Rahul Joshi, Managing Director, Network18, in his new role.

Palia has led the growth of the network's Youth, Music and English Entertainment business for the past 16 years. More recently he launched Voot Select that has already raced to add 1mn+ subscribers within a year. He will now look to cohesively grow Viacom18's SVoD and International digital businesses.

Ailawadi has played a key role in the growth of Viacom18 over the last 6 years and is a strong proponent

निखिल दुबे ने जी न्यूज छोड़ा

निखिल दुबे ने जी न्यूज के कार्यकारी संपादक के पद से इस्तिफा दे दिया है। श्री दुबे हालही में जी न्यूज के साथ जुड़े थे।

इससे पहले श्री दुबे ने पिछले दिनों न्यूज नेशन व इंडिया न्यूज के साथ काम किया था, उनका सबसे लंबा कार्यकाल एबीपी के साथ रहा जहां वे कार्यकारी संपादक के रूप में कार्य कर रहे थे।

बदलावों की घोषणा की वायकॉम 18 ने

वायकॉम 18 ने अपने डिजिटल और प्रसारण व्यवसाय को बढ़ाने व ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी नेतृत्व टीम में बदलाव की घोषणा की है। अपने डिजिटल सब्सक्राइबर कारोबार को बढ़ाने के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए फर्जाद पालिया सभी एसवीओडी सेवाओं (वूट सिलेक्ट व वूट किड्स) और वूट के लिए अंतरराष्ट्रीय विस्तार का नेतृत्व करेंगे और गौरव रक्षित, सीओओ, वायकॉम 18 डिजिटल वेंचर्स को रिपोर्ट करेंगे।

नेटवर्क का यूथ, म्यूजिक और इंग्लिश इंटरटेनमेंट बिजनेस अब ग्रुप सीईओ के कार्यालय में अंशुल ऐलावादी, पूर्व रणनीति और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट लीड का नेतृत्व करेंगे। ऐलावादी अपनी नयी भूमिका में नेटवर्क 18 के प्रबंध निदेश राहुल जोशी को रिपोर्ट करेंगे।

पलिया ने पिछले 16 वर्षों से नेटवर्क के युवा, संगीत और अंग्रेजी मनोरंजन व्यवसाय का विकास किया है। अभी हाल ही में उन्होंने वूट सिलेक्ट लॉन्च किया है जो पहले ही एक वर्ष के भीतर 1 मिलियन से अधिक ग्राहकों को जोड़ने में सफल रहा है। वह अब वायकॉम 18 के एसवीओडी और अंतरराष्ट्रीय डिजिटल व्यवसायों के साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहेंगे।

ऐलावादी ने पिछले 6 वर्षों में वायकॉम 18 के विकास में

of the tremendous fandom, and the potential business opportunity that the YME brands of Viacom18 command. In a young country like India, these brands have a long runway for growth, especially given the proliferation of digital platforms.

Viacom18 forayed into digital subscription businesses in late 2019 with Voot Kids that was closely followed by Voot Select launched in March 2020. Voot Select recently reported acquiring over 1mn subscribers in its first year and though being a late entrant in the category it's the fastest growing broadcaster-backed OTT service. Youth, Music and English Entertainment portfolio of Viacom18 consists of category leading channels like MTV, MTV Beats, Vh1, Comedy Central and Colors Infinity.

GOVT ADDS 100 MSOs IN 2020

Govt adds 100 MSOs in 2020 and 6 new MSOs in Jan & Feb 2021. So there are 1,715 registered MSOs in India as on 1 March 2021.

A total of 100 MSOs were granted registration in the year 2020, compared to 150 in 2019.

All the granted registrations are valid for a period of 10 years. The names of the companies that were added in the registration list in the first two months of this year includes GNS Cable Network, Bajrang Dish Antina, Aishwarya Chaitra Cable Network, Ranchi Digital, Sherie Plexus, and Deb TV.

The ministry has cancelled registration of one MSO in January.

GTPL HATHWAY SET FOR EXPANSION

GTPL Hathway is on an expansion spree and set to grow its cable TV subscriber base by more than 50 per cent in the next three years to reach a base of 12 million subscriber base

A new push and pull" strategy has been deployed wherein . GTPL Hathway has followed the push strategy till date by giving the schemes, benefits to partner LCOs and asking them to bring the customer back from the DTH, from the ground. On the other side,

महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है और उसे अपने विकास के चरम पर पहुंचाया है और संभावित व्यवसायिक अवसर जो वायकॉम 18 के वाईएमई कमांड कर रहा है। भारत जैसे युवा देश में इन ब्रांडों के विकास के लिए लंबा रनवे है, विशेषकर डिजिटल प्लेटफार्मो के प्रसार को देखते हुए।

वायकॉम 18 ने 2019 के अंत में वूट किड्स के साथ डिजिटल सब्सक्रिप्शन व्यवसायों में शामिल हो गया, जिसके बाद मार्च 2020 में वूट का चयन किया गया था। वूट सिलेक्ट ने हालही में अपने पहले वर्ष में 1 मिलियन से अधिक ग्राहकों को प्राप्त करने की सूचना दी और हालांकि इस श्रेणी में देर से प्रवेश करने वाला यह सबसे तेजी से वढ़ता हुआ प्रसारक द्वारा समर्थित ओटीटी सेवा है। वायकॉम 18 के युवा, संगीत और अंग्रेजी मनोरंजन चैनल पोर्टफोलियो में एमटीवी, एमटीवी बिट्स, वीएच 1, कॉमेडी सेंट्रल और कलर्स इन्फिनिटी जैसे श्रेणी के अग्रणी चैनल शामिल हैं।

2020 में 100 एमएसओएस को शामिल किया सरकार ने

सरकार ने 2020 में 100 एमएसओ और जनवरी व फरवरी 2021 में 6 नये एमएसओ को शामिल किया है। इस तरह 1 मार्च 2021 तक भारत में 1715 पंजीकृत एमएसओ हैं।

2019 में 150 की तुलना में वर्ष 2020 में कुल 100 एमएसओ को पंजीकरण की अनुमति दी गयी।

सभी स्वीकृत पंजीकरण 10 वर्षों के लिए वैध हैं। इस साल के पहले दो महीनों में पंजीकरण सूची में जिन कंपनियों के नाम जोड़े गये थे उनमें जीएनएस केबल नेटवर्क, बजरंग डिश एंटीना, ऐश्वर्या चैत्र केबल नेटवर्क, रांची डिजिटल, शेरी प्लेक्सस और डेब टीवी शामिल है।

मंत्रालय ने जनवरी में एक एमएसओ का पंजीकरण रद्द कर दिया।

विस्तार की राह पर जीटीपीएल हेथवे

जीटीपीएल हेथवे विस्तार की होड़ में है और 12 मिलियन ग्राहक आधार तक पहुंचने के लिए अगले तीन वर्षो में अपने केवल टीवी ग्राहकों के आधार को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने के लिए तैयार है।

इसके लिए नयी पुश व पुल रणनीति को अपनाया गयी है। जीटीपीएल हैथवे ने योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पुश रणनीति को अपनाया है, एलसीओ को लाभ देने के लिए और उन्हें खोये हुए सब्सक्राइबर को डीटीएच से वापस लाने के लिए कहा गया

SCAT NEWS
स्कैट समाचार

the pull strategy reaches customers directly or relies on advertisements. As a part of the second method, it plans to offer schemes directly to consumers and pay TV users it wants to convert from DTH to the cable business side.

GTPL has already launched Chhatri Hataao GTPL Lagao campaign just before the pandemic hit the industry. The company resumed the campaign in August and again had to stop it in October. However, it is going to follow the mixed strategy going forward.

There are 60 million independent cable subscribers base and 60 million DTH subscriber base which must be targeted by organised cable operators and GTPL has just 35-40 million subscriber base so far.The 130 million non-TV households in India will now be tapped and the company will start combining broadband opportunities with the cable TV segment for better consumer stickiness.

GTPL Hathway will deploy Rs 300 crore capex for FY 22. It will be spending around Rs 160-170 crores on the broadband side and rest Rs 130 to 140 crores on the cable TV side. The MSO also hopes to pick up home pass addition in FY 22 reaching the FY 20 level as it has slowed down in FY 21 due to the pandemic. It incurred around Rs 237 crores of capex during 9M FY21, where Rs 110 crores have gone into the broadband business and the rest Rs 127 crores into the cable business. ■

है। दूसरी तरफ पुल की रणनीति सीधे ग्राहकों तक पहुंचती है या विज्ञापनों पर निर्भर करती है। दूसरी पद्धति के एक हिस्से के रूप में यह उपभोक्ताओं को सीधे योजनाओं की पेशकश करने और टीवी उपयोगकर्ता ओं को भुगतान करने की योजना बना रहा है जो टीडीएच से केबल व्यवसाय पक्ष में बदलना चाहते हैं।

उद्योग को महामरी से प्रभावित होने के ठीक पहले जीटीपीएल ने छतरी हटाओ जीटीपीएल लगाओ अभियान शुरू किया है। कंपनी ने अगस्त में अभियान फिर से शुरू किया और अक्टूबर में इसे फिर से बंद करना पड़ा। हालांकि यह आगे चल रही मिश्रित रणनीति का पालन करने वाला है।

60 मिलियन स्वतंत्र केबल ग्राहक आधार और 60 मिलियन डीटीएच ग्राहक आधार हैं जिन्हें संगठित केबल ऑपरेटरों द्वारा लक्षित किया जाना चाहिए और जीटीपीएल के पास अभी तक 35–40 मिलियन ग्राहक आधार हैं। भारत में 130 मिलियन गैर टीवी घरों को अब टैप किया जायेगा और कंपनी बेहतर टीवी स्टिकनेस के लिए केबल टीवी खंड के साथ ब्रॉडबैंड के अवसरों का संयोजन शुरू करेगी।

जीटीपीएल हैथवे वित्तवर्ष 22 के लिए 300 करोड़ रुपये का कैपसेट लगायेगी। यह लगभग 160–170 करोड़ रुपये ब्रॉडबैंड की तरफ और बाकी के 130 से 140 करोड़ रुपये केबल टीवी खर्च किये जायेंगे। एमएसओ को वित्तवर्ष 20 के स्तर तक पहुंचने के लिए वित्त वर्ष 22 में अतिरिक्त घरों को पास करना होगा। क्योंकि महामारी के चलर्त 2021 में इसकी गति धीमी हो गयी थी। यह वित्तवर्ष 2021 में 9 मिलियन कैपेक्स के लगभग 237 करोड़ रुपये खर्च हुए, जहां 110 करोड़ रुपये बॉडबैंड करोबार में और बाकी 127 करोड़ रुपये केबल कारोबार में गए। ■

INDIA'S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY

... You Know What You are doing
But Nobody Else Does

ADVERTISE NOW !

SATELLITE & Cable TV

- In-depth & Unbiased Market Information
- Technology Breakthroughs
- Comprehensive Circulation Across The Satellite & Cable TV Industry

Contact: Mob.: +91-7021850198 Email: scat.sales@nm-india.com